उदयचन्द्र झा 'विनोद'

जन्म	-	5 अप्रैल, 1943
जन्म स्थान	-	ग्राम+पोस्ट-रहिका, जिला-मधुबनी
वृत्ति	-	लेखा विभाग, भारत सरकारक सेवामे अंकेक्षक
कृति	-	संक्रान्ति (1991), धूरी (1992), मौसम अयला पर (1978), एहना स्थिति मे (1982), सहर जमीन (1999), अकहलनि पत्नी (1985), पक्ष (2007), प्रश्नवाचक (2010)-(कविता संग्रह) काँच-(1984)-(कथा संग्रह) उदास गाछक वसन्त (नाटक)
सम्मान	-	यात्री चेतना पुरस्कार-2005 ई0, साहित्य अकादेमी पुरस्कार 'अपक्ष' कविता संग्रह-2011 ई0।

गाम आ शहर

लोक एखनो गाममे मिज्झर रहै-ए
राजधानी जकाँ नहि असगर रहै-ए
ईद एखनो हिन्दुओ के पर्व होइ छै
गाममे मिलनक बहुत अवसर रहै-ए

गामसँ बहुतो पड़ायल सभ तेयागल
लोक तैयो चौक पर कहकह करै-ए
बाप केर लगाओल बागक गाछ काटय
गाममे एखनो बहुत अजगर रहै-ए

सुगरकोना बेश बरिसल बाढ़ि आयल
गाम एखनो साल भरि अबतब रहै-ए
चैनसँ एखनो गरीबी गाम मे छै
शहर सनकल अनेरे लबलब करै-ए

साग पर सन्तोष के दर्शन हेरायल
ग्राम्य जीवन तदपि बड़ निर्भर रहै-ए
शहरसँ आयलि सुकन्या भिन्न होइ छथि
ग्राम्यवाला के कहाँ परतर करै-ए

माथ पर आँचर एखनियो गाममे छै
'न्यूड' होयबा लए शहर तड़तड़ करै-ए
गाममे सम्बन्ध बाँचल छै एखन धरि
राजधानी लग भने लड़बड़ लगैए

जीबि लेतै गाम एखनो स्वावलम्बी

शहर के फरमान बड़ गड़बड़ करैए

पाग-दोपटा, फूल-चानन गीत-अरिपन

गनगनाइत गाम के गहवर रहै-ए

केओ न ककरो शहर मे छै, गाम मे छै

ग्राम्य-जीवन तैँ बहुत सेसर लगै-ए

केओ न ककरो दै शहरमे, गाम दै छै

शहरमे सभ लोकके तेसर लगै-ए

गाम छै तैँ देश छै कविता/कहानी

शहर तऽ मस्तूल पर उर्बर लगै-ए

लोक गामक ग्राम-गौरवमे जिबै छै

शहर मे तऽ सभ अपना पर रहै-ए

गड़बड़ी छै आब गामोमे, गछै छी

शहरमे तऽ सभ्यता बर्बर लगै-ए

सीबि आबी लगाबै छी नित्य चेफरी

व्यवस्था देशक बहुत जर्जर लगै-ए

देश चाही तँ बचाबी गाम के बन्धु

शहर थिक वाचाल तैं बरबर करै-ए

शुद्ध जल, शीतल हवा ओ बोल मधुरिम

सुलभ गामहि गाय के गोबर रहैए।

शब्दार्थ

मिज्झर-मिलल-जुलल

ईद- मुसलमानक एकटा पावनि

तेयागल-त्यागल

सुकन्या-सुन्नरि कन्या

ग्राम्यबाला- ग्रामीण बाला

एखनियो-एखनहुँ

सेसर-श्रेष्ठ

मसतूल- माथ पर

बर्बर-जंगली

जर्जर- पुरान

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(i) एखनहुँ लोक कतय मिज्झर रहैत अछि?

(क) गाममे (ख) शहरमे (ग) वनमे (घ) बागमे

(ii) लोक कतय कह कह करैए?

(क) राहमे (ख) चौक पर (ग) गाममे (घ) घर पर

(iii) एखनो के गाममे चैनसँ अछि?

(क) अमीर (ख) फकीर (ग) गरीब (घ) धनीक

(iv) न्यूड होयबा लए शहर की करै-ए?

(क) धड़फड़ (ख) तरफड़ (ग) लड़बड़ (घ) तड़तड़

2. रिक्त स्थानक पूर्ति करू।

(क) माथ पर.....एखनियो गाम मे छै।

(ख) जीबि लेतै गाम एखनो.....।

(ग) केओ न ककरो.....छै।

(घ) देश चाही तँ.....गामके बन्धु।

3. **सही क आगाँ (✔) आ गलतीक आगाँ (X) चेन्ह लगाउ।**

(i) एखन धरि गाममे सम्बन्ध बाँचल छै।

(ii) एखनहुँ गाममे साग पर संतोषक दर्शन जीबैत अछि।

(iii) गाममे ककरो केओ खगताक वस्तु दैत छै।

(iv) गाममे गड़बड़ी नहि छै।

4. **सही मिलान करू-**

(क) शहर सँ	(i) बचाबी गामकेँ
(ख) मिलनक	(ii) नित्य चेफरी
(ग) देश चाही तँ	(iii) अवसर
(घ) लगाबै छी	(iv) सुकन्या

5. **लघूत्तरीय प्रश्न-**

(i) गामक गहवर कथीसँ गनगनाइत रहैत अछि?

(ii) गाम आ शहरक मध्य कोनो एक टा अन्तर लिखू?

(iii) कोन कोनक बारिसला सँ बाढ़ि आयल?

(iv) राजधानीक लगक गाम केहन लगैत अछि?

6. **दीर्घोत्तरीय प्रश्न-**

(i) पठित पाठक आधार पर गामक विशेषताक वर्णन करू।

(ii) पठित पाठक आधार पर सिद्ध करू जे शहरमे बेश गड़बड़ी अछि।

(ii) शहरमे सम्बन्धक धज्जी उड़ि गेल अछि।

(iv) 'गाम आ शहर' कवितामे अजगर ककरा कहल गेल अछि आ किएक?

□□□